Page Three

Classified

Adds can be booked under these Categories : (all day publication)

Recruitment
Property
Business Opportunity
Vehicles
Announcements
Antiques & Collectables
Barter
Books
Computers
Domain Names
Education
Miscellaneous
Entertainment & Event
Hobbies & Interests
Services
Jewellery & Watches
Music
Obituary
Pets & Animals
Retail
Sales & Bargains
Health & Sports
Travel

Matrimonial (Sunday Only)

अब मात्र रु. 20 प्रति शब्द

अभी आईएमए में रहेंगे पास आउट विदेशी कैडेट

90 विदेशी कैडेट भी हुए पासआउट

पीओपी

■ अपनी–अपनी यूनिट ज्वाइन करेंगे कैडेट

संवाददाता

देहरादून। भारतीय सैन्य अकादमी (आइएमए) में शनिवार को पासिंग आउट परेड में पुरानी के साथ ही कुछ नई परंपराएं भी जुड़ गई। कैडेटों ने जहां अंतिम पग के बाद प्रथम पग भी रखा, अकादमी से पास आउट होने के बाद वह अपनी–अपनी यूनिट ज्वाइन करेंगे। जबकि मित्र देशों के कैडेट फिलहाल अकादमी में ही रहेंगे। कोरोना संकट के चलते अकादमी रक्षा मंत्रालय व अकादमी प्रबंधन को यह निर्णय लेने पड़े हैं।

बता दें, सैन्य अकादमी में भारत के अलावा मित्र देशों के कैडेटों को भी सैन्य प्रशिक्षण दिया जाता है। इस बार भी अकादमी से नौ मित्र देशों के 90 जेंटलमैन कैडेट शिरकत कर पास आउट होंगे। इनमें सबसे अधिक 48 कैडेट अफगानिस्तान के

हैं। जबकि तजाकिस्तान के 18 व भूटान के 13 कैडेट भी पास आउट होंगे। इसके अलावा मालद्वीव व मारीशस के तीन–तीन, फिजी के दो और पपुआ न्यू गिनी, श्रीलंका व वियतनाम का एक–एक कैडेट पास आउट होगा। लेकिन पास आउट होने के बाद भी ये सभी विदेशी कैडेट फिलवक्त अकादमी में ही रहेंगे। अकादमी के वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों के मुताबिक कोरोनाकाल में अंतरराष्ट्रीय हवाई सेवा बंद है। चुनिंदा देशों के लिए ही कुछ फ्लाइट हैं। ऐसे में विदेशी कैडेटों को उनके देश वापस भेजना फिलहाल संभव नहीं है। इस संदर्भ में संबधित देशों के दूतावास से बात हो चुकी है। जब तक कोरोना संकट खत्म नहीं हो जाता है और अंतरराष्ट्रीय हवाई सेवा बहाल नहीं होती है तब तक विदेशी कैडेट अकादमी में ही रहेंगे। इस बीच यदि संबंधित देश विशेष फ्लाइट की व्यवस्था करते हैं तो कैडेटों को भेजा दिया जाएगा।

इंजीनियिंरग छोड़, फौज में चुना कॅरियरः आज जब कॅरियर के लिहाज से विकल्पों की भरमार है, युवा ब्रिगेड में फौजी वर्दी की ललक अब भी जिंदा है। बेशुमार अवसर और मोटी तनख्वाह से इतर युवा पीढ़ी फौज में कॅरियर चुन रही है। इंजीनियर्स एन्क्लेव निवासी अक्षत चौहान भी उन्हीं में एक हैं। पासिंग आउट परेड के बाद अंतिम पग भर वह आज सेना में अफसर बन जाएंगे। उनके पिता जेएस चौहान लोनिवि में अधिशासी अभियंता व मां नीतू चौहान राजकीय इंटर कॉलेज वैसोगीलानी कालसी में प्रवक्ता हैं। मूल रूप से ग्राम झोटाड़ी, उत्तरकाशी के रहने वाले चौहान परिवार ने बताया कि अक्षत ने अपनी स्कूली शिक्षा सेंट ज्यूड्स स्कूल से की।

इसके बाद टिहरी हाइड्रो इंजीनियरिंग कॉलेज से बीटेक किया। पर उसके मन में फौजी वर्दी की ललक थी। ऐसे में इंजीनियिरंग करने के बाद भी वह अपने इस सपने को पूरा करने में जुटा रहा। सीडीएस की परीक्षा दी और सफल भी हुआ। अक्षत का मानना है कि इस नौकरी में न सिर्फ स्थायित्व है, बल्कि सुरक्षित भविष्य भी।

हमसे वतन की ताकतः कुछ इसी जज्बे के साथ अंतिम पग पार कर देश की सेवा को तैयार जांबाज।

न्यूज डायरी

सेवा व सुरक्षा की नजीर–डॉ सबा खान'

संवाददाता देहरादून। विश्वव्यापी कोरोना महामारी के भारत में हमले के बाद जो सभी लोगो के लिए फरिश्ते बन कर सामने आए वो है हमारे कोरोना वॉरियर्स यानी हमारे डॉक्टर्स, मेडिकल स्टाफ व सुरक्षा कर्मी। इनके द्वारा आम जन मानस के जीवन को बचाने के लिए किये जा रहे निरंतर प्रयास से हर इंसान कोरोना जैसी महामारी से सुरक्षित है। हमारे स्वास्थ्य कर्मी दिन रात फ्रंटलाइन में एक योद्धा की तरह हर दिन कोरोना से जंग लड़ रहे है। यह जंग कोई गोली बारूद की जंग नहीं है बल्कि एक छोटे से वायरस से जंग है। हमारे डॉक्टर्स, मेडिकल स्टाफ व पुलिस कर्मी दिन रात काम कर रहे है ताकि हम लोग सुरक्षित रह सके।

लोकगायक हीरा सिंह राणा के निधन से हुई अपूरणीय क्षति

संवाददाता

देहरादून । उत्तराखंड विधानसभा अध्यक्ष प्रेमचंद अग्रवाल ने प्रसिद्ध लोक गायक हीरा सिंह राणा के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। अग्रवाल ने कहा है कि उनके निधन से प्रदेश के लोक संगीत को अपूरणीय क्षति हुई है।

विधानसभा अध्यक्ष ने कहा है कि लोक गायक हीरा सिंह राणा ने हमेशा पहाड़ के दर्द को जगह दी और लोकथात को बचाये रखा। अग्रवाल ने कहा कि वह जीवनपर्यंत पहाड़ की संस्कृति, लोक संगीत, बोली के प्रति समर्पित एवं लेखन के धनी व विनम्र स्वभाव के इंसान थे।पहाड़ के लोकगीत एवं लोक संस्कृति को बचाए रखने में उनके दिए

गए योगदान को कभी भी भुलाया नहीं जा सकता है।

इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष ने ईश्वर से पुण्य आत्मा की शांति की प्रार्थना करते हुए उनके परिजनों एवं शुभचिंतकों के प्रति अपनी सांत्वना व्यक्त की है। उत्तराखण्ड के सुप्रसिद्ध लोकगायक स्व हीरा सिंह राणा के निधन के समाचार सुनकर, अखिल गढ़वाल सभा द्वारा उनके परिजनों के प्रति दुख व संवेदना व्यक्त की गई।

सभा अध्यक्ष रोशन धस्माना ने कहा अल्मोड़ा जिले में जन्मे स्वर्गीय हीरा सिंह राणा उत्तराखण्ड के सर्वोत्तम लोकगायकों में से एक थे। अपनी योग्यता से उन्होंने उत्तराखंडी संगीत को विश्व मे प्रसिद्धि दिलाई। उन्होंने कहा कि सभा द्वारा कोई भी बड़ा कार्यक्रम या कौथिग उनके बिना पूरा नही होता था। वे बहुत ही सरल स्वभाव के थे।

इस अवसर पर महासचिव गजेंद्र भंडारी ने कहा कि स्व राणा जी को दिल्ली सरकार द्वारा गढ़वालीध्कुमाऊंनी, जौनसारी भाषा अकादमी के उपाध्यक्ष पद पर प्रतिष्ठित करने से ही साबित होता है कि वे गायक होने के साथ ही भाषाविद भी थे ।

लॉकडाउन के उल्लंघन पर काटे चालान

संवाददाता देहरादून। विश्वभर में फैले कोरोना वायरस कोविड के बचाव को उत्तराखंड की अस्थाई राजधानी में शनिवार व रविवार को किये गये लॉकडाउन के चलते राजधानी में लॉकडाउन का उल्लंघन करने वालों पर सीपीयू व पुलिस का चाबुक चला और सीपीयू के जवानों व पुलिस कर्मचारियों ने दुपहिया वाहन व चौपहिया वाहन चालकों के चालान काटकर लॉकडाउन का भी पाठ पढ़ाया और वहीं बाजारों में सन्नाटा पसरा रहा केवल प्रमुख मार्गों में वाहनों की हलचल रही।

इस अवसर पर दून में शनिवार व रविवार को पूर्ण रूप से बंद रखने का ऐलान किये जाने के बाद भी लोगों का बाहर निकालना पूर्व की भांति बरकरार है इस अवसर पर लॉकडाउन के चलते हुए दुपहिया वाहनो के चालान काटे गये जो लॉकडाउन का उल्लंघन किया और चालान काटने के बाद लॉकडाउन के नियमों का भी पाठ पढाया और अनावश्यक रूप से घरों से बाहर न आने को कहा। इस दौरान कई वाहन चालकों को वापस भी लौटा दिया गया।